

# हरियाणा विधान सभा

की

## कार्यवाही

2 सितम्बर, 2015

(प्रधान बैठक)

खण्ड-2, अंक-1

अधिकृत विवरण



## विषय सूची

बुधवार, 2 सितम्बर, 2015

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(1) 1
विद्यार्थियों का स्वागत	(1) 8
शोक प्रस्ताव (पुनरारम्भ)	(1) 8
बैठक का स्थगन	

मूल्य : 116

## हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 2 सितम्बर, 2015

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सेक्टर-1, चण्डीगढ़ में दोपहर 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

### शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में शोक प्रस्ताव रखेंगे।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष जी, पिछले सत्र से इस सदन के प्रारम्भ होने तक जो महान विभूतियाँ अब हमारे शीघ्र में नहीं रही, उनके बारे में मैं शोक प्रस्ताव सदन के सामने प्रस्तुत करता हूँ:-

#### भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, भूतपूर्व राष्ट्रपति

यह सदन भूतपूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के 27 जुलाई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरी शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडू के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ। उन्होंने 2002 से 2007 तक भारत के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। उन्होंने उच्च सैवधानिक मूल्यों और आदर्शों का पालन करते हुए न केवल राष्ट्रपति पद की गरिमा बढ़ाई बल्कि हमारे लोकतंत्र को भी मजबूत बनाने का काम किया। बैलेस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें 'भारत का मिसाइलमैन' कहा जाता है। डॉ. कलाम ने 1998 में पोखरण में दूसरे परमाणु परीक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनकी अतुल्य सेवाओं के लिए उन्हें 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण तथा 1997 में भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मानों से अलंकृत किया गया। डॉ. कलाम के 79वें जन्मदिवस को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व छात्र दिवस' के रूप में मनाया गया। उन्हें 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। नेशनल स्पेस सोसायटी ने 2013 में अंतरिक्ष विज्ञान सम्बन्धित परियोजनाओं के कुशल संचालन और प्रबंधन के लिए उन्हें वॉन ब्राउन अवार्ड से सम्मानित किया।

वे उच्चकोटि के लेखक भी थे। उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर-एन आटोबायोग्राफी', 'इंडिया 2020-ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम' तथा 'इग्नाइटेड माइंड्स-अनलीशिंग द पावर विद इन इंडिया' जैसी पुस्तकों की रचना की। वे देश के युवाओं और बच्चों के लिए एक प्रेरणा स्रोत और प्रेरक व्यक्तित्व थे। वे अपनी अंतिम सांस तक वह कार्य कर रहे थे, जो उन्हें सबसे प्रिय था और वह था युवा भारतीय प्रतिभाओं से संवाद करते हुए उनके मन को वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा की भावना से ओत-प्रोत करना।

उनके निधन से देश ने एक महान वैज्ञानिक, उच्चकोटि के शिक्षाविद, कुशल प्रशासक और सच्चे देशभक्त को खो दिया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### श्रीमती सुधा मुखर्जी, देश की प्रथम महिला

यह सदन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की पत्नी श्रीमती सुधा मुखर्जी के 18 अगस्त, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 17 सितम्बर, 1940 को हुआ। वे राष्ट्र कवि गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की बहुत बड़ी प्रशंसक थी। वे रबीन्द्र संगीत की गायिका थी और उन्होंने लम्बे समय तक टैगोर की नृत्य-नाटिकाओं में अभिनय किया। वे उच्चकोटि की चित्रकार भी थी।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### श्री चांद राम, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री चांद राम के 15 जून, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 24 जून, 1923 को हुआ। वे 1952 तथा 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वे संयुक्त पंजाब में 1956-57 के दौरान उप मंत्री, 1962 में राज्य मंत्री तथा 1965-66 के दौरान कैबिनेट मंत्री रहे। वे 1958-62 के दौरान संयुक्त पंजाब विधान परिषद् के उप सभापति भी रहे। वे 1966, 1968 तथा 1972 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा 1966-67 के दौरान हरियाणा के उप मुख्यमंत्री रहे। वे 1977 तथा 1990 में लोक सभा के सदस्य चुने गए। वे 1977-79 के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री भी रहे। वे मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वे समाज के गरीब एवं कमजोर वर्गों के लोगों के कल्याण एवं उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहे।

उनके निधन से देश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### श्री शाम दास मुखीजा, हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री शाम दास मुखीजा के 25 जुलाई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 अक्टूबर, 1923 को हुआ। वे 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे 1991-96 के दौरान राज्य मंत्री रहे। वे कई धार्मिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक संस्थाओं से भी जुड़े रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### श्री अमीर चन्द, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमीर चन्द के 23 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 30 सितम्बर, 1931 को हुआ। वे 1982, 1991 तथा 2005 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे 1982 में हरियाणा राज्य अधु सिंघाई तथा नलकूप निगम व 1991 में हरियाणा वन विकास निगम के चेयरमैन बने। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### श्री देवेन्द्र कुमार बंसल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार बंसल के 13 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 दिसम्बर, 1965 को हुआ। वे 2005 तथा 2009 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन सभी श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं :

1. डॉ. नंदलाल भारती, गांव मनेटी, जिला रेवाड़ी।
2. श्री जयदेव, बहादुरगढ़, जिला झज्जर।
3. श्री भोला राम, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ़।

यह सदन इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### हरियाणा के शहीद

यह सदन उन सभी वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने हमारी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिश्रय देते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :

1. लेफ्टिनेंट किरण शेखावत, गांव कुरुथला, जिला मेवात।
2. निरीक्षक कांशीराम, गांव फुलिधां खुर्द, जिला जींद।
3. सूबेदार जगरूप, गांव ढाढोत, जिला महेन्द्रगढ़।
4. हवलदार राजेश कुमार, गांव माई कलां, जिला भिवानी।
5. हवलदार हरश्वरूप सिंह, गांव खड़कड़ा बास, जिला महेन्द्रगढ़।
6. हवलदार रणजीत सिंह, गांव दनधोली, जिला महेन्द्रगढ़।
7. नायक देवेन्द्र कुमार, गांव सुरहेली, जिला रेवाड़ी।
8. नायक हरदीप सिंह, गांव मंघेड़ा, जिला फतेहाबाद।
9. लांस नायक सुरेश, गांव टाणी ओबरा, जिला भिवानी।
10. सिपाही कमलदीप, गांव भकलाना, जिला हिसार।
11. सिपाही सुरेश कुमार, गांव गढ़ी अजीमा, जिला हिसार।
12. सिपाही रॉकी, गांव रामगढ़ माजरा, जिला यमुनानगर।
13. सिपाही नवीन, गांव खेड़ी जसौर, जिला झज्जर।
14. सिपाही सुनील कुमार, गांव जासावास, जिला महेन्द्रगढ़।
15. सिपाही रजनीश कुमार, गांव कवाली, जिला रेवाड़ी।

यह सदन इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### पंजाब में आतंकवादी हमला

यह सदन 27 जुलाई, 2015 को पंजाब के गुरदासपुर जिले में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए चार पुलिस कर्मी, जिनमें पुलिस अधीक्षक श्री बलजीत सिंह भी शामिल है तथा तीन नागरिकों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन आतंकवादियों के इस जघन्य कृत्य की कड़ी निन्दा करता है और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन कृषि मंत्री श्री ओमप्रकाश धनखड़ की सास, श्रीमती सुखदेई; सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती कविता जैन के ससुर, श्री सतपाल जैन;

सांसद श्री चरणजीत सिंह रोड़ी के चाचा श्री धर्मवीर सिंह; पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की माता, श्रीमती हरदेई देवी;

विधायक श्रीकृष्ण हुड्डा के भाई, श्री हरकिशन; विधायक श्री करण सिंह दलाल के भतीजे, श्री सतीश दलाल;

पूर्व सांसद श्री रामजीलाल के भाई, श्री रामसरूप; तथा पूर्व विधायक श्री रामनिवास धोड़ेला की चाची, श्रीमती फूला देवी; के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं एक और शोक प्रस्ताव सदन के समक्ष रखना चाहता हूँ। गांव धोलेड़ा, जिला महेन्द्रगढ़ में केशर जोन की एक दीवार के गिरने से जिन 11 लोगों का निधन हुआ है, उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति यह सदन हार्दिक शोक प्रकट करता है।

श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, पिछले बजट सेशन और इस सेशन के दौरान बहुत से ऐसे महानुभाव जिन्होंने देश के उच्च पदों पर रह कर देश की सेवा की और आज हमें छोड़कर चले गये हैं। उनके बारे में सदन के नेता ने शोक प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किया मैं भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उसका समर्थन करता हूँ। सदन के नेता ने सबसे पहले हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम का शोक प्रस्ताव सदन में रखा। उनकी 27 जुलाई, 2015 को अचानक मृत्यु हो गई। मैं भी उनके निधन पर अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडू के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ। उन्होंने देश की सेवा के लिए अपने परिवार का त्याग करके परमाणु क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अविस्मरणीय योगदान दिया। उन्होंने 1998 में पोखरण में दूसरे परमाणु परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इन अतुल्य सेवाओं के लिए उन्हें पद्म भूषण तथा भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मानों से अलंकृत किया गया। वे युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत थे। वे आखरी सांस तक युवाओं को प्रेरणा देने के काम में लगे हुए थे। हमने भी उन्हें चौधरी देवी लाल इन्स्टीट्यूट में बच्चों को प्रेरणा देने के लिए आमंत्रित किया था और समय निकाल कर वहां बच्चों को प्रेरणा देने के लिए आए थे तथा बच्चों का हौसला बढ़ाया था। उनके निधन से देश एक महान वैज्ञानिक, उच्चकोटि के शिक्षाविद्, कुशल प्रशासक और सच्चे देशभक्त की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं हमारे देश के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की पत्नी श्रीमती सुब्रामुखर्जी के 18 अगस्त 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 17 सितम्बर, 1940 को हुआ। वे राष्ट्र कवि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की बहुत बड़ी प्रशंसक थी। वे रविन्द्रनाथ टैगोर जी की संस्था से लम्बे समय तक जुड़ी रहीं। उनकी मृत्यु पर मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

**[श्री अभय सिंह चौटाला]**

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री चांद राम के 15 जून, 2015 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूँ। वे संयुक्त पंजाब विधान सभा के भी सदस्य रहे और मंत्री भी रहे। वे हरियाणा विधान सभा के भी सदस्य रहे और हरियाणा में उप मुख्यमंत्री के पद पर भी रहे। वे लोक सभा सदस्य भी रहे और केन्द्र में राज्य मंत्री भी रहे। वे मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वे समाज के गरीब एवं कमजोर वर्गों विशेषकर दलित वर्ग के लोगों के कल्याण एवं उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहते थे। उनके निधन से देश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री शाम दास मुखीजा के 25 जुलाई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 10 अक्टूबर, 1923 को हुआ। 1991 से 1996 के दौरान वे हरियाणा में राज्य मंत्री रहे। उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमीर चन्द के 23 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। इसी प्रकार से मैं अपनी व अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार बंसल के 13 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। इनका जन्म 04 दिसम्बर, 1965 को हुआ। वे वर्ष 2005 तथा वर्ष 2009 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। इसी विधान सभा का सदस्य रहते हुए उन्होंने हनेशा समाज के दबे व पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए और हरियाणा प्रदेश के सम्पूर्ण विकास के लिए क्या-क्या कदम उठाये जाने चाहिए, इस बारे में समय-समय पर महत्वपूर्ण चर्चा की। उनके निधन से हमने न केवल एक योग्य विधायक को खोया है बल्कि एक ऐसे समाज सेवी को भी खो दिया है जिन्होंने जीवन भर समाज सेवा का काम किया। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति भी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

हरियाणा के जिन स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को स्वतंत्र करवाने में अहम योगदान दिया, उनकी संख्या भी निरंतर घटती जा रही है। उनमें से भी तीन ऐसे सदस्य जिन्होंने देश को आजाद करवाने में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया और देश को स्वतंत्र करवाने में अहम भूमिका निभाई, वे भी हमारे बीच में इस समय नहीं रहे हैं, वे हैं:-

1. डॉ० नंद लाल भरती, गांव मनेठी, जिला झज्जर।
2. श्री जयदेव, बहादुरगढ़, जिला झज्जर।
3. श्री भोला राम, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ़।

इन सवतंत्रता सेनानियों ने भी देश को सवतंत्र करवाने के लिए अहम लड़ाई लड़ी थी, इनके निधन पर भी मैं अपनी व अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसके अतिरिक्त हरियाणा के वे शहीद जिन्होंने देश की सीमाओं पर जाकर देश की रक्षा करने का काम किया उनमें से 15 सैनिक जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, वे हैं:-

1. लैफ्टिनेंट किरण शेखावत, गांव कुरथला, जिला मेवात।
2. निरीक्षण कांशी राम, गांव फुलिया खुर्द, जिला जींद।
3. सूबेदार जगरूप, गांव ढाढौत, जिला महेन्द्रगढ़।
4. हवलदार राजेश कुमार, गांव माई कला, जिला भिवानी।
5. हवलदार हरश्वरूप सिंह, गांव खड़खड़ा बास, महेन्द्रगढ़।
6. हवलदार रणजीत सिंह, गांव दनचोली, जिला महेन्द्रगढ़।
7. नायक देवेन्द्र कुमार, गांव सुरहेली, जिला रेवाड़ी।
8. नायक हरदीप सिंह, गांव मंधेड़ा, जिला फतेहाबाद।
9. लॉस नायक सुरेश, गांव ढाणी ओबरा, जिला भिवानी।
10. सिपाही कमलदीप, गांव भकलाना, जिला हिसार।
11. सिपाही सुरेश कुमार, गांव गढ़ी अजीमा, जिला हिसार।
12. सिपाही रौंकी, गांव रामगढ़ भाजरा, जिला यमुनानगर।
13. सिपाही नवीन, गांव खेड़ी जसौर, जिला अजमेर।
14. सिपाही सुनील कुमार, गांव जासावास, जिला महेन्द्रगढ़।
15. सिपाही रजनीश कुमार, गांव कंवली, जिला रेवाड़ी।

मैं अपनी और से व अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता हूँ और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसी प्रकार से 27 जुलाई, 2015 को पंजाब के गुरदासपुर जिले में एक बहुत बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था। पंजाब पुलिस के जवानों ने इस आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। इस आतंकवादी हमले में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए चार पुलिस कर्मी शहीद हो गये थे जिनमें पुलिस अधीक्षक श्री बलजीत सिंह भी शामिल थे। इस आतंकवादी हमले में तीन अन्य लोगों को भी अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की और से आतंकवादियों के इस जघन्य कृत्य की कड़ी निंदा करता हूँ और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसी प्रकार से हमारे सदन के साथियों के परिवार के सदस्य भी इस दौरान हमें छोड़कर चल गये। उनमें हमारे कृषि मंत्री श्री ओम प्रकाश घग्घड़ जी की सास श्रीमती सुखदेई, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती कविता जैन के ससुर श्री सतपाल जैन, सांसद



**[श्री अभय सिंह चौटला]**

सरदार अरणजीत सिंह रोड़ी के चाचा श्री धर्मबीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की माता श्रीमती हरदेई देवी, विधायक श्री कृष्ण हुड्डा के भाई श्री हरकिशन, विधायक श्री करण सिंह दलाल के भतीजे श्री सतीश चलाल, पूर्व सांसद श्री रामजीलाल के भाई श्री रामस्वरूप तथा पूर्व विधायक श्री रामनिवास घोड़ेला की चाची श्रीमती फूला देवी के दुःखद निधन पर भी मैं अपनी ओर से व अपनी पार्टी की तरफ से गह्रश शोक प्रकट करता हूँ और दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसके साथ-साथ जैसे सदन के नेता ने जिक्र किया है जो हदसा पिछले दिनों नारनौल जिले के क्रैशर जोन में हुआ था, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी उन सबके प्रति भी मैं अपनी ओर से व अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

**विद्यार्थियों का स्वागत**

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): स्पीकर सर, वी0एम0 विश्वास स्कूल, मण्डी आदमपुर, जिला हिसार के 25 विद्यार्थी इस महान सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में बैठे हैं मैं पूरे सदन की तरफ से उनका यहां आने पर स्वागत करता हूँ।

**शोक प्रस्ताव (पुनरारम्भ)**

**Smt. Kiran Chaudhry (Tosham) :** Speaker Sir, this House expresses grief on the sad demise of Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India, on July 27, 2015 and Rocket man of India. He will be remembered as the most admired and revered President for the stellar role he played in bringing added dignity to the august office, and for bringing Rashtrapati Bhavan to the people which earned him the epithet of People's President. Besides being a truly evolved human being, he was a scientist of repute and an excellent author who wrote several books. He was a man who believed in simple living and thinking and I remember when K went to meet him, we ardently discussed environment as an issue and he took me around the Mughal Garden pointing out the plants which he had planted. In his death, the country has lost a tall leader, an astute and able administrator, a great scientist and a great writer. I join the House alongwith my President in sending its heartfelt condolences to the members of the bereaved family. This House express grief on the sad demise of First Lady, Mrs. Survra Mukherjee wife of President Pranab Mukherjee, on August 18, 2015. Besides being a gentle, noble and great person, Mrs. Survra Mukherjee was an accomplished singer and painter. Dada as we lovingly call the Hon'ble President has lost a soul-mate and I pray to the almighty to give him strength to sustain the irreparable loss. I and my party also resolve to convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House place its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Chand Ram, former Union Minister of State, on June 15, 2015.

He was a man who always worked for the upliftment of the weak and the downtrodden. In his death, the nation has lost a veteran politician. I and my party resolve to convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Sham Dass Mukhija, former Minister of State, on July 25, 2015.

Associated with various social, educational and religious institutions, he was elected to the Haryana Legislative Assembly in 1991 and remained Minister of

State from 1991 to 1996. In his death, Haryana has lost a great leader. I alongwith my party join the House in conveying its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Amir Chand, former member of the State Assembly, on May 23, 2015. He was elected to the Haryana Legislative Assembly in 1982, 1991 and 2005. He remained Chairman of the Haryana State Minor Irrigation and Tubewells Corporation between 1984 and 1987 and the Haryana Forest Development Corporation between 1991 and 1996. He was committed social worker.

In his death, Haryana has lost a seasoned politician and an able administrator. We convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

We also express our grief on the sad demise of Shri Devender Kumar Bansal, former congress MLA from Ambala cantonment and Panchkula on May 13, 2015. He was very good human and able Legislator who was always concerned about the problems of the people. In his death, the State has lost a great legislator. I alongwith my party express our heartfelt sympathies to the members of bereaved family.

Sir, the sad demise of valued three freedom fighter from Haryana who fought for the Motherland and played a stellar role in achieving the country's freedom has filled us all with a sense of sorrow. They made the State proud by making the supreme sacrifice for the country. Their sacrifices would keep inspiring the younger generation.

These great freedom fighters are:

1. Dr. Nandlal Bharti, Village Manethi, District Rewari.
2. Shri Jaidev, Bahadurgarh, District Jhajjar.
3. Shri Bhola Ram, Village Sihor, District Mahendergarh.

I, alongwith members of the House, salute these great freedom fighters and resolve to convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved families. We also pay our homage to those 15 brave soldiers who laid down their lives while defending the borders of our country. They gave their today for our tomorrow. They died so that we could live in a free India. It is a matter of pride for all of us that every tenth soldier in our armed forces is from Haryana. I join the House in saluting those great soldiers and brave sons of Mother India for the sacrifices made by them and resolve to convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved families of those 15 soldiers.

Speaker Sir, there was a recent terrorist attack in Punjab and it is said that the terrorism is raising its ugly head all over the world. We should condemn such act universally because it takes away from the very basis of democracy, the way these people come in and kill our people. I and my party join together in paying our respect to the bereaved and I hope God will give strength to fill this irreparable loss.

Sir, we place on record our deep sense of sorrow on the sad demise of:-

Smt. Sukhdai, mother-in-law of Shri Om Parkash Dhankhar, Agriculture Minister;

Shri Satpal Jain, father-in-law of Smt. Kavita Jain, Social Justice and Empowerment Minister;

Shri Dharamber Singh, uncle of Shri Charanjeet Singh Rori, MP;  
Shri Hardai Devi mother of Shri Bhupinder Singh Hooda, former  
Chief Minister;

Shri Harkishan, brother of Shri Krishan Hooda, MLA;  
Shri Satish Dalal, nephew of Shri Karan Singh Dalal, MLA;  
Shri Ramsaroop, brother of Shri Ramjilal, Ex-MP; and  
Smt. Phula Devi, aunt of Shri Ramniwas Ghorela, Ex-MLA

We resolve to convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved families.

We also resolve to convey our heartfelt condolences to the members of the bereaved families of those 11 people who were killed during the\* crusher mining in Dholera (Mahendergarh). We place on record our deep sense of sorrow on their sad demise and hope that the Government will act quickly to see that such incidents do not occur in future. Speaker Sir, names of those 11 people have not been given in the obituary references. so, the names of all those 11 people who died in that incident which was most unfortunate and the way in which it happened, should be brought on record so that it remains there.

श्री सुभाष बराला (टोहाना) : यह सदन भूतपूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम के 27 जुलाई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गंहरा शोक प्रकट करता है। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडू के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ। उन्होंने वर्ष 2002 से 2007 तक भारत के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। उन्होंने उच्च संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों का पालन करते हुए न केवल राष्ट्रपति पद की गरिमा बढ़ाई बल्कि हमारे लोकतंत्र को भी मजबूत बनाने का काम किया। बैलैस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास में उनके अविस्मरणीय योगदान के लिए उन्हें भारत का भिलाइलमैन कहा जाता है। डॉ० कलाम ने 1998 में पोखरण में दूसरे परमाणु परीक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी अतुल्य सेवाओं के लिए उन्हें 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण तथा 1997 में भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मानों से अलंकृत किया गया। डॉ० कलाम 79वें जन्म दिवस को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया गया। उन्हें 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। नेशनल स्पेस सोसायटी ने 2013 में अंतरिक्ष विज्ञान संबंधी परियोजनाओं के कुशल संचालन और प्रबंधन के लिए उन्हें वॉन ब्राउन अवार्ड से सम्मानित किया। वे उच्चकोटि के लेखक भी थे। उन्होंने विंग्स ऑफ फायर एन ऑटोबायोग्राफी इंडिया 2020-ए विजन फॉर दि न्यू मिलेनियम तथा इग्नाइटेड माइंड्स-अनलीमिंग द पॉवर विद इन इंडिया जैसी पुस्तकों की रचना की। वे देश के युवाओं और बच्चों के लिए एक प्रेरणा स्रोत और प्रेरक व्यक्तित्व थे। वे अपनी अंतिम सांस तक कार्य कर रहे थे, जो उन्हें सबसे प्रिय था और वह था युवा भारतीय प्रतिभाओं से संवाद करते हुए उनके मन को वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा की भावना से ओत प्रोत करना। उनके निधन से देश ने एक महान वैज्ञानिक, उच्चकोटि के शिक्षाविद्, कुशल प्रशासक और सच्चे देशभक्त को खो दिया है। मैं अपनी तरफ से तथा भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिधर के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

\* चेरर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

इसी तरह से मैं राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की पत्नी श्रीमती सुब्रा मुखर्जी के 18 अगस्त, 2015 को हुए दुःखद निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 17 दिसम्बर, 1940 को हुआ। वे राष्ट्र कवि गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की बहुत बड़ी प्रशंसक थीं। वे रबीन्द्र संगीत की गायिका थीं और उन्होंने लंबे समय तक टैगोर की नृत्य नाटिकाओं में अभिनय किया। वे उच्चकोटि की चित्रकार भी थीं।

मैं अपनी तरफ तथा भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसी तरह से मैं भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री बांद राम के 15 जून, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। श्री बांद राम हरियाणा के बहुत बड़े दलित नेता रहे। अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में चाहे विधान सभा के सदस्य रहे, चाहे लोक सभा के सदस्य रहे, वे हमेशा ही दलित, गरीब तथा पिछड़े वर्ग की लड़ाई लड़ते रहे। वे बहुत ही मिलनसार व मृदुभाषी प्रकृति के व्यक्ति थे एवं समाज के कमजोर एवं गरीब वर्गों के लोगों के कल्याण एवं उत्थान के लिए वे सदैव समर्पित रहे। उनके निधन से देश एक अनुभवी राजनीतिज्ञ एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

मैं अपनी तरफ से तथा भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं हरियाणा के भूतपूर्व राज्य मंत्री श्री शाम दास मुखीजा के 25 जुलाई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 10 अक्टूबर, 1923 को हुआ। वे 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे 1991 से 96 के दौरान राज्य मंत्री रहे। वे कई धार्मिक सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से भी जुड़े रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से तथा भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमीर चन्द मक्कड़ जो हांसी विधान सभा क्षेत्र से विधायक रहे। उनका दुःखद निधन 23 मई, 2015 को हुआ। वे एक सामाजिक व्यक्तित्व के धनी थे। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और भारतीय जनता पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार बंसल के 13 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

उनका जन्म 4 दिसम्बर, 1965 को हुआ। वे 2005 तथा 2009 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से उन सभी श्रेष्ठ स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपना

[श्री सुभाष बराला]

बहुमूल्य योगदान दिया। इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं—  
डॉ० नंदलाल भारती, गांव मनेठी, जिला रेवाड़ी, श्री जयदेव, बहादुरगढ़, जिला झज्जर तथा श्री  
भोला राम, गांव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ़। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन  
महान स्वतंत्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता हूँ और इनके शोक संतप्त परिवारों के  
सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से उन सभी वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण  
नमन करता हूँ, जिन्होंने हमारी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य  
साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। इन महान वीर  
सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं— लैफ्टिनेंट किरण शोखावत, गांव कुरथला, जिला मेवात, निरीक्षक  
काशी राम, गांव फुलियां खुर्द, जिला जीन्ध, सुबेदार जगरूप, गांव ढाढोत, जिला महेन्द्रगढ़,  
हवलदार राजेश कुमार, गांव भाईकलां, जिला भिवानी, हवलदार हरस्वरूप सिंह, गांव खरकड़ा  
बास, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार रणजीत सिंह, गांव दनचौली जिला महेन्द्रगढ़, नायक  
दवेन्द्र कुमार, गांव सुरहेली, रेवाड़ी, नायक हरदीप सिंह, गांव मंघेड़ा, जिला फतेहाबाद, लांस  
नायक सुरेश, गांव ढाणी ओबरा, जिला भिवानी, सिपाही कमलदीप, गांव भकलाना, जिला हिसार,  
सिपाही सुरेश कुमार, गांव गढ़ी अजीमा, जिला हिसार, सिपाही रॉकी, गांव रामगढ़ भाजरा, जिला  
यमुनानगर, सिपाही नवीन, गांव खेड़ी जसौर, जिला झज्जर, सिपाही सुनील कुमार, जासावास,  
जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही रजनीश कुमार, गांव कंवाली, जिला रेवाड़ी। मैं अपनी तरफ से तथा  
अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता हूँ और  
इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से 27 जुलाई, 2015 को पंजाब के  
गुरदासपुर जिले में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए चार पुलिस कर्मी, जिनमें पुलिस अधीक्षक  
श्री बलजीत सिंह भी शामिल हैं तथा तीन नागरिकों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा  
शोक प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से, आतंकवादियों के इस  
जघन्य कृत्य की कड़ी निन्दा करता हूँ और शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी  
हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से कृषि मंत्री श्री ओमप्रकाश धनखड़ की  
सास, श्रीमती सुखदेई, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमति कविता जैन के सासुर  
श्री सतपाल जैन, सांसद श्री चरणजीत सिंह रोड़ी के चाचा श्री धर्मसिंह, पूर्व मुख्यमंत्री  
श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा की माता, श्रीमती हरदेई देवी, विधायक श्री कृष्ण हुडा के भाई श्री हरकिशन,  
विधायक श्री करण सिंह दलाल के भतीजे, श्री सतीश दलाल, पूर्व सांसद श्री रामजीलाल के भाई,  
श्री रामस्वरूप तथा पूर्व विधायक श्री रामनिवास घोड़ेला की चाची, श्रीमती फूला देवी के दुःखद  
निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत  
के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। मैं भारतीय  
जनता पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक  
संवेदना प्रकट करता हूँ। इसके अलावा मैं अपनी भारतीय जनता पार्टी की तरफ से महेन्द्रगढ़  
जिले के गांव धौलेड़ा में हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में मारे गए 11 लोगों के शोक-संतप्त परिवारों के  
सदस्यों के प्रति भी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

**Sh. Kuldip Bishoni (Adampur) :** Speaker Sir, this House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Bharat Ratna Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India, on July 27, 2015

He was born on October 15, 1931 in a humble family at Rameswaram in Tamil Nadu. He adorned the highest office in our nation from 2002 to 2007. He enriched and enhanced the prestige and dignity of the august office of the President of India by his utmost commitment to high constitutional values and ideals which considerably strengthened our democratic edifice. He was known as the "Missile Man of India" for his stellar role in the development of the ballistic missile and launch vehicle technology. Dr. Kalam also played an important role in the Pokhran-II nuclear test in 1998.

He was honoured with several prestigious awards including the Padma Bhushan in 1981, Padma Vibhushan in 1990 and Bharat Ratna in 1997 for his extremely valuable services. Dr. Abdul Kalam's 79th birthday was recognized as the World Students Day by the United Nations. He was conferred honorary doctorates by as many as 40 universities. In 2013, he was the recipient of the Von Braun Award from the National Space Society to recognize his excellence in management and leadership for a space-related project.

He had also distinguished himself as a brilliant writer. He authored many books like "Wings of Fire-An Autobiography" "India-2020-A Vision for the New Millennium" and "Ignited Minds-Unleashing the Power Within India". He was an inspirational and motivational icon for the youth and the children of our country. Till his last breath, he was doing what he loved the most, interacting with young Indians and igniting their minds with scientific temperament and spirit of inquiry.

In his death, the country has lost a great scientist, an eminent educationist, an able administrator and a true patriot. This House resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Smt. Surva Mukherjee wife of Shri Pranab Mukherjee, President of India, on August 18, 2015.

She was born on September 17, 1940. She was an ardent fan of India's national poet, Gurudev Rabindranath Tagore, She was a vocalist of Rabindra Sangeet and performed in the poet's dance-dreams for long years. She was also highly talented painter.

This House resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Chand Ram, former Union Minister of State, on June 15, 2015.

He was born on June 24, 1923. He was elected to the Joint Punjab Legislative Assembly in 1952 and 1962 and remained Deputy Minister in 1956-57, Minister of State in 1962 and Cabinet Minister in 1965-66. He also remained Deputy Chairman

**[Sh. Kuldip Bishoni]**

of the Joint Punjab Legislative Council from 1958 to 1962. He was elected to the Haryana Legislative Assembly in 1966, 1968 and 1972 and remained Deputy Chief Minister of Haryana in 1966-67. He was elected Member of Parliament in 1977 and 1990 and remained Union Minister of State during 1977-79 and 1990 remained Union Minister of State during 1977-79. A soft spoken person with an amiable nature, he was dedicated to the task of upliftment of the downtrodden and poor sections of the society.

In his death, the country has lost a veteran politician and an able administrator. This House resolves to convey to its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Sham Dass Mukhija, former Minister of State, on July 25, 2015.

He was born on October 10, 1923. He was elected to the Haryana Legislative Assembly in 1991 and remained Minister of State, during 1991-96. He was also associated with many religious, social and educational institutions.

In his death, the State has lost an able legislator and administrator. This House resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Amir Chand, former Member of the Haryana Legislative Assembly, on May 23, 2015.

He was born on September 30, 1931. He was elected to the Haryana Legislative Assembly in 1982, 1991 and 2005. He became Chairman of the Haryana State Minor Irrigation and Tubewells Corporation in 1982 and of Haryana Forests Development Corporation in 1991. He was a committed social worker.

In his death, the State has lost a seasoned legislator and an able administrator. This House resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री देवेन्द्र कुमार बंसल के 13 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 4 दिसम्बर, 1966 को हुआ। वे 2005 तथा 2009 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से उन सभी श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं- डॉ० नंदलाल भारती, गाँव मनेठी, जिला रेवाड़ी, श्री जयदेव, बहादुरगढ़, जिला झज्जर तथा श्री भोला राम, गाँव सिहोर, जिला महेन्द्रगढ़। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को शत-शत नमन करता हूँ और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से उन सभी वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूँ, जिन्होंने हमारी मातृभूमि के एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं- लेफ्टिनेंट किरण शेखावत, गांव कुरथला, जिला मेवात, निरीक्षक काशीराम, गांव फुलियां खुर्द, जिला जींद, सूबेदार जगरूप, गांव ढाढोत, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार राजेश कुमार, गांव माई कलां, जिला भिवानी, हवलदार हरस्वरूप सिंह, गांव खड़कड़ा बास, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार रणजीत सिंह गांव दनबोली, जिला महेन्द्रगढ़, नायक दवेन्द्र कुमार, गांव सुरहेली, जिला रिवाड़ी, नायक हरदीप सिंह, गांव मंघेड़ा, जिला फतेहाबाद, नायक सुरेश, गांव ढाणी ओबरा, जिला भिवानी, सिपाही कमलदीप, गांव भकलाना, जिला हिसार, सिपाही सुरेश कुमार, गांव गढ़ी अजीमा, जिला हिसार, सिपाही रौंकी, गांव रामगढ़ भाजरा, जिला यमुनानगर, सिपाही नवीन, गांव खेड़ी जसौर, जिला झज्जर, सिपाही सुनील कुमार, गांव जासावास, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही रजनीश कुमार, गांव कंवाली, जिला रेवाड़ी। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता हूँ और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से 27 जुलाई, 2015 को पंजाब के गुरदासपुर जिले में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए चार पुलिस कर्मी, जिनमें पुलिस अधीक्षक श्री बलजीत सिंह भी शामिल हैं तथा तीन नागरिकों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से आतंकवादियों के इस जघन्य कृत्य की कड़ी निन्दा करता हूँ और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से कृषि मंत्री श्री ओमप्रकाश घनखड़ की सास, श्रीमती सुखदेई, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती कविता जैन के ससुर श्री सतपाल जैन, सांसद श्री चरणजीत सिंह रोड़ी के चाचा श्री धर्मसिंह, पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा की माता, श्रीमती हरदेई देवी, विधायक श्री कृष्ण हुडा के भाई श्री हरकिशन, विधायक श्री करण सिंह दलाल के भतीजे, श्री सतीश दलाल, पूर्व सांसद श्री रामजीलाल के भाई, श्री रामस्वरूप तथा पूर्व विधायक श्री रामनिवास घोड़ेला की चाची, श्रीमती फूला देवी के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इनके अतिरिक्त सदन के नेता और श्रीमती चौधरी जी ने जो नाम शोक प्रस्ताव में लिए हैं उनका समर्थन करते हुए शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

**श्री मनोहर लाल:** अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा सदन के सभी सम्मानित सदस्यों से निवेदन है कि शोक प्रस्ताव के दौरान हम महान दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजली अर्पित करते हैं। इस दौरान हमें कोई ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जो इस अवसर पर ठीक न लगे। कभी कभार जाने अनजाने में इस तरह की बातें हो जाती हैं। धोलेड़ा में जो घटना हुई है जिसमें 11 मजदूर मारे गये, यह बड़ी दुःखद घटना है। इसको लेकर जो शब्द कहा है वह शब्द कांग्रेस पार्टी के विधायक दल की नेता ने प्रयोग किया है वह शब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। सदन की कार्यवाही आज ही शुरू हुई है इस बारे में किसी दूसरे अवसर पर उल्लेख किया जा सकता था।



श्री अध्यक्ष: लीक है, जो 'शब्द कहा है वह सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।  
(विधन)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में जो शोक प्रस्ताव [15.00 बजे] रखा है और दिवंगत आत्माओं के प्रति विभिन्न पार्टियों के सदस्यों ने जो अपने-अपने विचार प्रकट किए हैं, मैं भी अपने आपको उनकी भावनाओं के साथ जोड़ता हूँ। पिछले सेशन और इस सेशन के बीच में हमें बहुत सी महान विभूतियाँ छोड़कर चली गई हैं। सबसे पहले मैं भूतपूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम के 27 जुलाई, 2015 को दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उन्होंने वर्ष 2002 से वर्ष 2007 तक भारत के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित किया। बैलेस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास में उनके योगदान ने उनको मिसाइलमैन के रूप में विख्यात किया। वर्ष 1998 में पोखरण में दूसरे परमाणु परीक्षण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी अतुल्य सेवाओं के लिए उन्हें पद्म विभूषण तथा भारत रत्न जैसे सर्वोच्च सम्मानों से समय-समय पर अलंकृत किया गया। उन्हें 40 विश्वविद्यालयों द्वारा मानद उपाधी से सम्मानित किया गया। वर्ष 2013 में नेशनल स्पेस सोसायटी ने अंतरिक्ष विज्ञान से सम्बंधित परियोजनाओं के कुशल संचालन व प्रबंधन के लिए वॉन ब्राऊन अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम अपनी अंतिम सांस तक देश के छात्रों को सफलता की राह दिखाते रहे। एक अटैची के साथ राष्ट्रपति भवन में आना और एक अटैची के साथ ही राष्ट्रपति भवन से विदा होना, उनके सहज आचरण की महानता को ही उजागर करता है। सरलता और सहजता उसके जीवन के विशेष आभूषण थे। दिमाग से वैज्ञानिक परन्तु दिल से दार्शनिक व सभाजशास्त्री डॉ० कलाम की आंखों में विकसित भारत का सपना था। पढ़ाना व लेक्चर देना उनकी आदतों में शुमार था। उनका यह कथन कि "सपने लेते रहिए क्योंकि सपने ही नये भवनों की आधारशिला होते हैं" तथा "आसमान की तरफ देखिए, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्मांड हमारा दोस्त है और वो उन्हीं को सबसे सर्वोत्तम देता है जो अपने देखते हैं तथा मेहनत करते हैं" हर इंसान के लिए प्रेरणा का काम करते हैं और करते रहेंगे। मैं ऐसे महान व्यक्तित्व को कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ।

मैं श्रीमती सुवा मुखर्जी, देश की प्रथम महिला और राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी की पत्नी के 18 अगस्त, 2015 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 17 सितम्बर, 1940 को हुआ था। श्रीमती सुवा मुखर्जी रविन्द्रनाथ टैगोर की प्रशंसक होने के साथ-साथ उच्च कोटि की चित्रकार भी थीं।

श्री चांद राम, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री के 15 जून, 2015 को हुए दुःखद निधन पर मुझे गहरा शोक है। उनका जन्म 24 जून, 1923 को हुआ था। वे संयुक्त पंजाब में विधान सभा के सदस्य चुने गये और उप-मंत्री, राज्य मंत्री तथा कैबिनेट मंत्री रहे तथा संयुक्त विधान परिषद् के उप सभापति भी रहे। वे वर्ष 1966, 1968 तथा वर्ष 1972 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होंने हरियाणा के उप मुख्यमंत्री पद को भी सुशोभित किया। वे वर्ष 1977 तथा 1990 में 'धर' के आदेशानुसार रिहाई नहीं किया गया

लोक सभा सदस्य चुने गये। उनको वर्ष 1977-79 के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री बनने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। वे गरीब व कमजोर वर्गों के लिए सदैव समर्पित रहते थे।

श्री शाम दास मुखीजा, भूतपूर्व राज्य मंत्री, हरियाणा के 25 जुलाई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर भी मुझे गहरा शोक है। उनका जन्म 10 अक्टूबर, 1923 को हुआ था। वर्ष 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और इस दौरान वे राज्य मंत्री भी रहे।

श्री अमीर चन्द, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के 23 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 30 सितम्बर, 1931 को हुआ। वर्ष 1982, 1991 तथा 2005 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे हरियाणा राज्य लघु सिंचाई तथा नलकूप निगम व हरियाणा वन विकास निगम के चेयरमैन भी बने। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

श्री देवेन्द्र कुमार बंसल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य के 13 मई, 2015 को हुए दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूँ। 04 दिसम्बर, 1965 को जन्मे श्री देवेन्द्र कुमार बंसल मृदुभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के मालिक थे। वे वर्ष 2005 तथा वर्ष 2009 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये थे।

मुझे स्वतंत्रता सेनानियों के निधन पर तथा उन सभी वीर सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दुःख है, जिन्होंने देश की आजादी और रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। देश भक्ति की भावना से भरे हमारे स्वतंत्रता सेनानी और वीर सैनिक हंसते-हंसते अपने प्राण न्यौछावर कर देते हैं। मैं इन महान आत्माओं के बलिदान को कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ।

मैं जिला महेन्द्रगढ़ के गांव घोलेड़ा में स्टोन क्रशर की दीवार गिरने से मारे गये 11 लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हूँ।

पंजाब के गुरदासपुर जिले में 27 जुलाई, 2015 को आतंकवादी हमले में शहीद हुए पुलिस कर्मियों व मारे गये नागरिकों के प्रति भी मैं अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ।

मैं उन सभी दिवंगत आत्माओं के लिए भी दुःख प्रकट करता हूँ जो हमारे सांसदों या विधायकों के निजी सम्बंधी थे और जिनका जिक्र माननीय मुख्यमंत्री ने भी अपने शोक प्रस्ताव में किया है।

मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि इन सभी दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें ताकि उनकी आत्माओं को शांति प्राप्त हो सके। मैं इस सदन की भावनायें शोक-संतप्त परिवारों तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं सदन से विनती करूंगा कि इन महान आत्माओं को शांति के लिए खड़े होकर दो भिन्नट का मौन धारण करें।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो भिन्नट का मौन धारण किया।)

**बैठक का स्थगन**

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी को पता है कि हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति व देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम जी और महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी की धर्मपत्नी व देश की प्रथम महिला श्रीमती सुभा मुखर्जी आज हमारे बीच में नहीं रहे। इसको ध्यान में रखते हुए जैसा कि कार्य सलाहकार समिति की बैठक में तय हुआ है कि ऐसी महान विभूतियों के सम्मान में अब, सभा वीरवार, दिनांक 03 सितम्बर, 2015 को प्रातः 10.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

\*[15.04 बजे] (तत्पश्चात् सभा वीरवार, दिनांक 03 सितम्बर, 2015 को प्रातः 10.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई।

53786-HVS-H.G.P.,Chd.